ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

सत्र 2024-25

कक्षा - 11 **सत्र 1 पुनरावृत्ति पत्रक** **विषय : हिंदी**

अंतरा (भाग - 1 काव्य भाग)

कबीरदास

प्रश्न 1 पहले पद का प्रतिपाद्य लिखिए |

प्रश्न 2 'अरे इन दोहुन राह न पाई।
हिंदू अपनी करै बड़ाई गागर छुवन न देई।
बेस्या के पायन-तर सोवै यह देखो हिंदुआई।
मुसलमान के पीर-औलिया मुर्गी मुर्गा खाई।
खाला केरी बेटी ब्याहै घरहिं में करै सगाई |'
उपरोक्त पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए |

प्रश्न 3 कबीर जी ने हिंदु और मुसलमानों पर क्या व्यंग्य किया है ?

प्रश्न 4 दूसरे पद का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए |

प्रश्न 5 विरहिणी की दशा का वर्णन कीजिए |

सूरदास

प्रश्न 1 ग्वाले रूठ क्र इधर – उधर क्यों बैठ गए ?

प्रश्न 2 श्री कृष्ण के क्रोध करने का क्या कारण था ?

प्रश्न 3 बाँसुरी बजाते हुए श्री कृष्ण की मुद्रा कैसी हों जाती है ?

प्रश्न 4 कृष्ण के अधरों की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

प्रश्न 5 'हरि हारे जीते श्रीदामा
बरबस हीं कत करत रिसैयाँ|'
उपरोक्त पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए |

देव

प्रश्न 1 देव ने दरबारियों पर क्या व्यंग्य किया है ?

प्रश्न 2 आँख खुलने पर गोपी ने क्या पाया ?

प्रश्न 3 'सपना' कवित्त में किस प्रसंग का वर्णन किया गया है ?

प्रश्न 4 'हँसी की चोट' द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?

प्रश्न 5 'दरबार' कविता का मूलभाव लिखिए |

सुमित्रानंदन पंत

प्रश्न 1 कविता के आधार पर संध्या के समय का वर्णन कीजिए |

प्रश्न 2 संध्या के समय लाला के मन में क्या दुविधा थी ?

प्रश्न 3 गंगाजल कैसा लगता है और क्यों ?

प्रश्न 4 कविता का प्रतिपाद्य लिखिए |

प्रश्न 5 'तट पर बगुलों-सी वृद्धाएँ
विधवाएँ जप ध्यान में मगन'
पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?

अंतरा (भाग - 1 गद्य भाग)

पाठ - ईदगाह

प्रश्न 1 पाठ का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए |

प्रश्न 2 ईदगाह के दिन चारों ओर वातावरण कैसा था ?

प्रश्न 3 पाठ में मुख्य किन-किन घटनाओं के बारे में बताया गया है ?

प्रश्न 4 हामिद ने सभी बच्चों से अलग सामान क्यों खरीदा ?

प्रश्न 5 'आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है; मानो संसार को ईद की बधाई दे रहा है। गाँव में कितनी हलचल देखो है। ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं।' उपरोक्त पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए |

पाठ - दोपहर का भोजन

प्रश्न 1 सिद्धेश्वरी के झूठ बोलने का क्या कारण था ?

प्रश्न 2 पाठ का उद्देश्य लिखिए |

प्रश्न 3 सिद्धेश्वरी ने मोहन के बारे में क्या-क्या झूठ बोले ?

प्रश्न 4 पाठ में रामचंद्र द्वारा किए संघर्ष को अपने शब्दों में लिखिए |

प्रश्न 5 पाठ पढ़कर आपके मन में कौन-से भाव मुखरित होते हैं ?

पाठ - टॉर्च बेचने वाला

प्रश्न 1 पाठ में पैसे कमाने का कौन-सा रास्ता बताया गया है ?

प्रश्न 2 पाठ में टॉर्च का नाम क्या रखा गया और क्यों ?

प्रश्न 3 दोनों दोस्तों के टॉर्च बेचने में क्या अंतर था ?

प्रश्न 4 दूसरे दोस्त ने अपना काम क्यों बदल लिया ?

प्रश्न 5 'सूरज छाप' टॉर्च कहने में क्या व्यंग्य है ?

पाठ - गूँगे

प्रश्न 1 पाठ का शीर्षक सार्थक है , कैसे ?

प्रश्न 2 गूँगे की आवाज़ जाने का क्या कारण था ?

प्रश्न 3 पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए |

प्रश्न 4 गूँगे के साथ चमेली का व्यवहार कैसा था ?

प्रश्न 5 गूँगे का चरित्र चित्रण लिखिए |

अंतराल (भाग - 1)

पाठ - हुसैन की कहानी अपनी जुबानी

प्रश्न 1 लेखक ने बड़ौदा शहर के बारे में क्या बताया है ?

प्रश्न 2 गांधी जयंती पर मकबूल ने क्या किया ?

प्रश्न 3 बेंद्रे साहब कौन थे ?

प्रश्न 4 मकबूल की विशेषताएँ लिखिए |

प्रश्न 5 पहले के लोग कला के बारे में क्या सोचते थे ?

अभिव्यक्ति और माध्यम

प्रश्न 1 'प्रात:काल उद्यान का दृश्य' विषय पर दृश्य लेखन कीजिए |

प्रश्न 2 दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलसचिव की तरफ से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को छठे वेतन आयोग की सिफ़ारिशों को लागू करने के संदर्भ में एक अनुस्मारक लिखिए |

प्रश्न 3 संचार माध्यमों की महत्ता स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 4 'अंतिम यात्रा में चार कंधे भी नसीब नहीं हों रहे' विषय पर एक सूचना लिखिए |

प्रश्न 5 डायरी लेखन क्या है ?

प्रश्न 6 खाद्य संभरण अधिकारी को पत्र लिखिए जिसमें राशन की सरकारी दुकान पर कम राशन दिए जाने की शिकायत की गई हो |

प्रश्न 7 किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में 'पत्रकार' पद के लिए आवेदन पत्र लिखिए |

अपठित बोध

प्रश्न 1 निम्न गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

विद्वानों का यह कथन बहुत ठीक है कि विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। इस बात को सब लोग मानते हैं कि आत्म-संस्कार के लिए थोड़ी-बहुत मानसिक स्वतंत्रता परमावश्यक है-चाहे उस स्वतंत्रता में अभिमान और नम्रता दोनों का मेल हो और चाहे वह नम्रता से ही उत्पन्न हो। यह बात तो निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है, उसके लिए वह गुण अनिवार्य है, जिससे आत्म-निर्भरता आती है और जिससे अपने पैरों के बल खड़ा होना आता है। युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करे, ये बातें आत्म-मर्यादा के लिए आवश्यक हैं। यह सारा संसार, जो कुछ हम हैं और जो कुछ हमारा है-हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे भोग, हमारे घर और बाहर की दशा, हमारे बहुत-से अवगुण और थोड़े गुण-सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए। नम्रता से मेरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है, जिससे उसका संकल्प क्षीण और उसकी प्रज्ञा मंद हो जाती है; जिसके कारण आगे बढ़ने के समय भी वह पीछे रहता है और अवसर पड़ने पर चट-पट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। मनुष्य का बेड़ा उसके अपने ही हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर ले जाए। सच्ची आत्मा वही है, जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती है।

(1) विनम्रता के अभाव में स्वतंत्रता का महत्त्व .....

क) बढ़ जाता है | ख) घट जाता है |

ग) लोकप्रिय हो जाता है | घ) उद्देश्यपूर्ण हो जाता है |

(2) गलत कथन चुनिए – व्यक्ति में विनम्रता न होने पर

क) वह अपनी स्वतंत्रता का सदुपयोग करता है |

ख) वह अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग करता है |

ग) वह स्वयं को ऊँचा समझने लगता है |

घ) वह दूसरों की स्वतंत्रता का हनन करने लगता है |

(3) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए |

(4) दब्बूपन से क्या-क्या होता है ?

(5) एक युवा को कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

प्रश्न 2 निम्न काव्यांश को पढकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये,
क्या विद्युत-घन के नर्तन
मुझे न साथी रोक सकेंगे,
सागर के गर्जन-तर्जन।
मैं अविराम पथिक अलबेला,
रुके न मेरे कभी चरण
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन।
मैं विपदाओं में मुसकाता नव आशा के दीप लिए
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन ।।
मैं अटका कब-कब विचलित मैं,
सतत डगर मेरी संबल,
रोक सकी पगले कब मुझको, यह युग की प्राचीर निबल।
आँधी हो, ओले-वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खंडन-मंडन ।।

क) कवि खुद को अलबेला पथिक क्यों कह रहा है ?

अ) सुंदर रास्ते पर चलने के कारण

आ) कवि के दिखने में सुंदर होने के कारण

इ) मुसीबत भरे रास्ते पर निरंतर चलने के कारण

ई) किसी अलबेले राही के साथ चलने के कारण

ख) काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए |

ग) 'शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने मित्र चयन|'पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए |

घ) कविता के आधार पर कवि की विशेषताएँ लिखिए |

ङ) कवि को जीवन के उत्थान-पतन क्यों नहीं रोक पाएँगे ?